RAN-1801130301020001

RAN-1801130301020001

M.A. (Sem.- I) Examination November - 2025

Hindi (Paper - 02 CC:02) Indian Poetics & Literary Criticism

Bhartiy Kavya Shastra Avam Sahitya Lochan

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्र.1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए: 10

1. आचार्य भरतमुनि का रससूत्र लिखिए।
2. अलंकार के प्रमुख भेद कौन-कौन से हैं?
3. ध्वनि की परिभाषा लिखिए।
4. वक्रोक्ति सिद्धान्त के प्रवर्तक कौन हैं? उनके ग्रंथ का नाम लिखिए।
5. हिन्दी कवि आचार्यों के नाम बताइये।
6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के काव्य-शास्त्र के ग्रंथों का उल्लेख कीजिए।
7. गूणीभूत व्यंग्य काव्य किसे कहते हैं?

प्र.2. रस का स्वरूप समझाते हुए, रस के अवयवों पर प्रकाश डालिए। **13**

अथवा

प्र.2. अलंकार सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए काव्य में अलंकारों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए। **13**

प्र.3. रीति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाओं का आलेखन कीजिए। **13**

अथवा

प्र.3. निम्नलिखित काव्यांश की व्यवहारिक समीक्षा कीजिए। 13

''छोड़ द्रूमों की मृदु छाया,
तोड़ प्रकृति से भी माया,
बाले! तेरे बालजाल में कैसे उलझा दूँ लोचन?
भूल अभी से इस जग को!
तज कर तरल तरंगों को,
इन्द्र धनुष के रंगों को,
तेरे भ्रू-भंगों से कैसे बिंधवा दूँ निज मृग सा मन?
भूल अभी से इस जग को!

कोयल का वह कोमल बोल,
मधुकर की वीणा अनमोल,
कह, तब तेरे ही प्रिय स्वर से कैसे भर लूँ सजनि श्रवण?
भूल अभी से इस जग को!
ऊषा सस्मित किसलय दल,
सुधारश्मि से उतरा जल,
ना, अधरामृत ही के मद में कैसे बदला दूँ जीवन?
भूल अभी से इस जग को!''

प्र.4. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए: **14**

1. ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
2. ध्वनि सिद्धान्त का महत्त्व।
3. औचित्य की प्रमुख स्थापनाएँ।
4. काव्य-लक्षण परंपरा।